Drishti IAS

करेंट अफेयर्स झारखंड

नवंबर 2023

(संग्रह)

Drishti, 641, First Floor, Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry (English): 8010440440, Inquiry (Hindi): 8750187501
Email: help@groupdrishti.in

अनुक्रम

झारखंड **3**

- झारखंड के सात आईपीएस अधिकारियों सहित 16 पुलिसकर्मियों को मिलेगा केंद्रीय गृहमंत्री विशिष्ट अभियान पदक-2023 3
- झारखंड नेशनल फिल्म फेस्टिवल 4
- झारखंड महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी : भारत ने नंबर-1 पर रहकर किया लीग स्टेज का समापन 4
- भारत ने जीता झारखंड महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी-2023 का खिताब 5
- ओरमांझी में बने पूर्वी भारत के सबसे बड़े तितली पार्क का उद्घाटन 6
- जमशेदपुर के एक्सएलआरआई में होगा पीओएमएस इंडिया चैप्टर कॉन्फ्रेंस-2023 का आयोजन 7
- सब जूनियर नेशनल एथलेटिक्स चैंपियनशिप में आशा और साकेत ने नये रिकॉर्ड के साथ जीते गोल्ड 7
- ‘खेलो झारखंड 2023-24’ संपन्न 8
- 42वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में झारखंड पवेलियन का उद्घाटन 9
- झारखंड स्थापना दिवस पर 7042 करोड़ रुपए की योजनाओं की सौगात 9
- प्रधानमंत्री ने झारखंड में लगभग 7,200 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया 11
- लो विजिबिलिटी में कॉमर्शियल विमान को लैंड करने वाला देवघर एयरपोर्ट बना देश का पहला एयरपोर्ट 12
- अब झारखंड में 1950 के ज़िला व थाना क्षेत्र के आधार पर सीएनटी ज़मीन की हो सकेगी खरीद-बिक्री 13
- झारखंड के कोडरमा ज़िले में मिला लिथियम का भंडार 14
- झारखंड की नदियों के कछार में की जाएगी हीरे की खोज, केंद्र की मिली मंज़ूरी 15
- बरहेट में आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम हुआ शुरू 16
- मुख्यमंत्री ने पाकुड़वासियों को 153 करोड़ रुपए की 118 योजनाओं का दिया तोहफा 17
- हर घर नल जल योजना में पाकुड़ और गोड्डा फिसड्डी 18

नोट :

The Vision

झारखंड

झारखंड के सात आईपीएस अधिकारियों सहित 16 पुलिसकर्मियों को मिलेगा केंद्रीय गृहमंत्री विशिष्ट अभियान पदक-2023

चर्चा में क्यों?

- 31 अक्तूबर, 2023 को केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से झारखंड के सात आईपीएस अधिकारियों सहित 16 पुलिसकर्मियों को केंद्रीय गृहमंत्री विशिष्ट अभियान पदक-2023 देने के संबंध में अधिसूचना जारी की गई।

प्रमुख बिंदु

- झारखंड के सात आईपीएस समेत 16 पुलिसकर्मियों को 'ऑपरेशन ऑक्टोपस' के लिये यह पदक दिया जाएगा।
- विदित हो कि लातेहार व गढ़वा ज़िले से घिरे बूढ़ा पहाड़ पर नक्सलियों के खिलाफ 18 अगस्त, 2022 से एक फरवरी 2023 तक 'ऑपरेशन ऑक्टोपस' चलाया गया था, जो काफी सफल हुआ था।
- पदक के लिये नामित सात आईपीएस अधिकारियों में झारखंड के एडीजी (अभियान) संजय आनंदराव लाठकर, आईजी (अभियान) अमोल वीणुकांत होमकर, आईजी पलामू राजकुमार लकड़ा, डीआईजी राँची अनूप बिरथरे (तत्कालीन एसआईबी डीआईजी), विशेष शाखा की एसपी शिवानी तिवारी (वर्तमान में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर), लातेहार के एसपी अंजनी अंजन तथा गढ़वा के तत्कालीन एसपी अंजनी कुमार झा (वर्तमान में एसपी एसीबी) शामिल हैं।
- पदक के लिये नामित पुलिसकर्मियों में अस्सिटेंट कमांडेंट कमलेश कुमार, इंस्पेक्टर सत्येंद्र कुमार सिंह, एसआई गौतम कुमार, एसआई मनोहर राम, एसआई जमील अंसारी, सेकेंड इन कमांड विवेकानंद सिंह, हेड कांस्टेबल राजकुमार उरांव, कांस्टेबल रतन कुमार यादव व कांस्टेबल विष्णु शंकर के नाम शामिल हैं।

नोट :

झारखंड नेशनल फिल्म फेस्टिवल

चर्चा में क्यों?

- 1 नवंबर, 2023 को पूर्वी सिंहभूम के ज़िला मुख्यालय जमशेदपुर में झारखंड नेशनल फिल्म फेस्टिवल का चौथा संस्करण शुरू हुआ, जो 7 नवंबर तक चलेगा।

प्रमुख बिंदु

- फेस्टिवल के संरक्षक पूर्वी घोष ने बताया कि इस फिल्म फेस्टिवल में देश-विदेश से लगभग 200 फिल्में आईं, जिनमें से 60 फिल्में प्रदर्शन के लिये चुनी गईं। इन 60 फिल्मों को 7 दिनों के अंदर दिखाया जाएगा।
- उन्होंने बताया कि 7 नवंबर को फिल्म अवार्ड समारोह एक्सएलआरआई टाटा ऑडिटोरियम बिष्टुपुर में आयोजित किया जाएगा।
- अवार्ड समारोह में बॉलीवुड की अदाकारा व 'राम तेरी गंगा मैली' की अभिनेत्री मंदाकिनी और झारखंड के लोकगायक पद्मश्री मुकुंद नायक भी मौजूद रहेंगे।
- सिने अवार्ड समारोह में बेस्ट फिल्म, बेस्ट एक्टर व बेस्ट ऐक्ट्रेस पुरस्कार का वितरण किया जाएगा। इस दौरान ट्राइबल फैशन शो का आयोजन होगा। इसमें झारखंड की आदिवासी बालाएँ पारंपरिक आउटफिट में रैंप पर कैटवॉक करेंगी। वहीं, झारखंड के सिने कलाकारों को भी महोत्सव में मंच साझा करने का मौका मिलेगा।

झारखंड महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी : भारत ने नंबर-1 पर रहकर किया लीग स्टेज का समापन

चर्चा में क्यों?

- 2 नवंबर, 2023 को भारतीय महिला हॉकी टीम ने राँची के मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में जारी झारखंड महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में कोरिया को 5-0 से हराते हुए अपनी लगातार पाँचवी जीत दर्ज की और अंकतालिका में नंबर वन पर रहकर ग्रुप चरण में अपने अभियान को समाप्त किया।

प्रमुख बिंदु

- मेज़बान भारत के लिये सलीमा टेटे ने छठे और 36वें मिनट में, जबकि नवनीत कौर ने भी 36वें मिनट में गोल किये। उनके अलावा वंदना कटारिया ने 49वें मिनट में टीम का चौथा गोल किया, वहीं नेहा ने 60वें मिनट में पाँचवा गोल दागा।
- भारत के अलावा चीन, जापान और कोरिया की टीमें भी सेमीफाइनल में जगह बनाने में सफल रहीं। सेमीफाइनल में अब भारत का सामना कोरिया से, जबकि जापान के सामने चीन की चुनौती होगी।

- इससे पहले दिन के पहले मैच में मलेशिया ने थाईलैंड को 2-0 से हरा दिया। मलेशिया के लिये नूर मुहम्मद ने 25वें और नूर यूसैनी ने 52वें मिनट में गोल दागे।
- दूसरे मैच में चीन ने जापान को 1-0 से मात दी। चीन के लिये एकमात्र गोल बिंगफेंग जियू ने आठवें मिनट में किया। चीन ने पाँच मैचों में तीन जीत और दो हार के साथ नौ अंक लेकर लीग चरण का समापन किया।
- थाईलैंड को पाँच मैचों में एक में भी जीत नसीब नहीं हुई और पाँचों में उसे हार का सामना करना पड़ा।
- मलेशिया ने पाँच मैचों में एक जीत, एक ड्रॉ और तीन हार के साथ चार अंक लेकर पाँचवें नंबर के साथ लीग चरण का समापन किया। मलेशिया और थाईलैंड ने सेमीफाइनल में जगह नहीं पाई और बाहर हो गईं।
- राउंड रॉबिन लीग चरण के आधार पर खेले जा रहे इस टूर्नामेंट में कुल छह टीमों ने भाग लिया। इनमें मेज़बान भारत के अलावा चीन, जापान, कोरिया, मलेशिया और थाईलैंड की टीमें शामिल थीं। लीग चरण के बाद अंकतालिका की टॉप-4 टीमों ने सेमीफाइनल के लिये क्वालीफाई किया।
- विदित हो कि भारत को साल 2016 के बाद से अपने पहले खिताब की तलाश है, जबकि भारतीय टीम 2013 और 2018 में रजत पदक जीत चुकी है।

भारत ने जीता झारखंड महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी-2023 का खिताब

चर्चा में क्यों?

- 5 नवंबर, 2023 को राँची के मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में आयोजित झारखंड महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी-2023 के फाइनल मुकाबले में भारत ने जापान को 4-0 से हराकर खिताब जीत लिया।

प्रमुख बिंदु

- झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भारत व जापान के बीच फाइनल मुकाबला देखने स्टेडियम पहुँचे और महिला खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया।
- भारतीय महिला हॉकी टीम ने अपना विजयरथ जारी रखते हुए झारखंड महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी राँची-2023 का फाइनल मुकाबला जीतकर दूसरी बार इस प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। स्वर्ण पदक जीतने के बाद भारतीय टीम के प्रत्येक खिलाड़ी को तीन-तीन लाख रुपए और प्रत्येक सपोर्ट स्टाफ को 1.5 लाख रुपए की पुरस्कार राशि मिलेगी।
- इस मुकाबले में भारतीय टीम ने हाफ टाइम की समाप्ति तक 1-0 की बढ़त बना ली थी। भारत के लिये यह गोल संगीता कुमारी ने 17वें मिनट में किया। दूसरे हाफ में मेज़बान टीम के लिये दूसरा गोल नेहा ने 46वें मिनट में, तीसरा गोल लालरेमसियामी ने 57वें मिनट में और चौथा तथा अंतिम गोल वंदना कटारिया ने 60वें मिनट में किया।

नोट :

- कांस्य पदक मुकाबले में चीन ने कोरिया को 2-1 से हराकर कांस्य पदक जीत लिया। कोरिया को चौथे, मलेशिया को पाँचवें और थाईलैंड को छठे स्थान से संतोष करना पड़ा।
- भारत की इस संस्करण में सात मैचों में यह लगातार सातवीं जीत थी। भारतीय टीम के लिये संगीता कुमारी ने टूर्नामेंट में सबसे ज़्यादा छह गोल किये जबकि चीन की जियाकी झोंग सात गोल के साथ टॉप स्कोरर रहीं।
- विदित हो कि पहले सेमीफाइनल मुकाबले में जापान ने चीन को 2-1 से, जबकि दूसरे सेमीफाइनल में भारत ने कोरिया को 2-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया था।

ओरमांझी में बने पूर्वी भारत के सबसे बड़े तितली पार्क का उद्घाटन

चर्चा में क्यों?

- 7 नवंबर, 2023 को झारखंड वन, पर्यावरण व जलवायु परिवर्तन विभाग के अपर मुख्य सचिव एल ख्यांगते ने झारखंड चिड़ियाघर प्राधिकरण, राँची के तत्वावधान में ओरमांझी के भगवान बिरसा जैविक उद्यान (बिरसा चिड़ियाघर) में पूर्वी भारत के सबसे बड़े तितली पार्क का उद्घाटन किया गया है,

प्रमुख बिंदु

- इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव एल ख्यांगते ने तितली पार्क से संबंधित पुस्तक का विमोचन भी किया।
- 20 एकड़ में दो करोड़ रुपए की लागत से नवनिर्मित इस तितली पार्क में 80 से अधिक प्रजातियों की तितलियां हैं। चिड़ियाघर प्राधिकरण झारखंड में पाई जाने वाली अधिकांश प्रजातियों जैसे ट्विन कोस्टर, सार्जेंट, बुश ब्राउन, बैरोनेट, प्लेन टाइगर्स, लेमन पैंसी, कॉमन सेलर और अन्य को पार्क में रखा गया है।
- पार्क में अनुकूल वातावरण तैयार किया गया ताकि तितलियाँ प्राकृतिक रूप से विकसित हो सकें। इन्हें पक्षियों और किसी अन्य शिकार से बचाने के लिये 900 वर्ग मीटर के क्षेत्र में एक ढकी हुई कंजर्वेटरी भी बनाई गई है।
- राँची के ओरमांझी क्षेत्र में 104 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले भगवान बिरसा जैविक उद्यान (बिरसा चिड़ियाघर) में स्तनधारियों, सरीसृपों और पक्षियों की 83 प्रजातियों के लगभग 1,450 जानवर हैं।
- विदित हो कि राँची के ओरमांझी प्रखंड के भगवान बिरसा जैविक उद्यान में 29 जून, 2017 को झारखंड के तत्कालीन मुख्यमंत्री व वर्तमान में ओडिशा के राज्यपाल रघुवर दास ने तितली पार्क की आधारशिला रखी थी।

जमशेदपुर के एक्सएलआरआई में होगा पीओएमएस इंडिया चैप्टर कॉन्फ्रेंस-2023 का आयोजन

चर्चा में क्यों ?

- 9 नवंबर, 2023 को झारखंड के पूर्वी सिंहभूम ज़िले के जमशेदपुर में स्थित शैक्षणिक संस्थान एक्सएलआरआई के डायरेक्टर फादर एस जॉर्ज ने बताया कि एक्सएलआरआई में चार से छह दिसंबर तक पीओएमएस इंडिया चैप्टर कॉन्फ्रेंस-2023 का आयोजन किया जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- इस तीन दिवसीय इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में भारत के अलावा यूएसए, यूके, चाईना, कोलंबिया व कनाडा के करीब 300 से अधिक प्रतिनिधि शामिल हो रहे हैं।
- इस कॉन्फ्रेंस में देश के लगभग सभी आईआईटी, आईआईएम, आईएसबी के साथ ही सभी बिजनेस स्कूल के प्रतिनिधि शामिल हो रहे हैं, जो सतत विकास के लिये भविष्य में होने वाली परिकल्पना की थीम पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे।
- इस दौरान करीब 160 पेपर प्रस्तुत किये जाएंगे। इस क्षेत्र में विद्वानों और उद्योग विशेषज्ञों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के साथ ही इनोवेशन के माध्यम वैश्विक स्तर पर कैसे बड़े सकारात्मक बदलाव किये जा सकते हैं, इस पर मुख्य रूप से मंथन होगा।
- एक्सएलआरआई के डायरेक्टर फादर एस जॉर्ज ने कहा कि यह अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस ना सिर्फ सप्लाई चैन मैनेजमेंट बल्कि पर्यावरण संरक्षण के लिहाज से भी काफी महत्त्वपूर्ण है। सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिये यह सम्मेलन वैश्विक स्तर पर एक मंच के रूप में कार्य करता है, जिसमें शिक्षाविद, शोधकर्ता और व्यवसायी उत्पादन और संचालन में अंतर्दृष्टि और रणनीतियों का आदान-प्रदान करते हैं।
- इस बार कार्बन तटस्थता प्राप्त करने, सप्लाई चेन मैनेजमेंट में ईएसजी को बढ़ाने, सप्लाई चेन मैनेजमेंट में होने वाली क्राइसिस से निबटने के उपाय के साथ ही एडवांस टेक्नोलॉजी के माध्यम से विभिन्न समस्याओं के समाधान से निबटने के तरीके पर भी चर्चा की जाएगी।

सब जूनियर नेशनल एथलेटिक्स चैंपियनशिप में आशा और साकेत ने नये रिकॉर्ड के साथ जीते गोल्ड

चर्चा में क्यों ?

- 10 नवंबर, 2023 को कोएंबटूर में आयोजित 38वीं राष्ट्रीय सब जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में झारखंड की आशा किरण बारला ने नये नेशनल रिकॉर्ड के साथ और साकेत मिंज ने नये रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता।

प्रमुख बिंदु

- राष्ट्रीय सब जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में झारखंड के गुमला की आशा किरण बारला ने 800 मीटर रेस 2:04:12 मिनट में पूरी कर नये नेशनल रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता है। आशा को इस प्रतियोगिता के अंडर-20 में बेस्ट एथलीट का अवार्ड मिला है।
- वहीं, राँची के साकेत मिंज ने 300 मीटर में नये रिकॉर्ड 34.72 सेकेंड के साथ स्वर्ण पदक जीता।
- इस प्रतियोगिता में झारखंड के एथलीटों ने चार स्वर्ण, चार रजत और तीन कांस्य पदक जीता है।
- जैवलिन थ्रो में जामताड़ा की सविता मुर्मू ने और राँची साई के विशाल कुमार ने बालक अंडर-20 ट्रिपल जंप में स्वर्ण पदक जीता।
- बालिका अंडर-14 के 60 मीटर इवेंट में पूर्वी सिंहभूम की ममता मेरी मुर्मू ने, 10 किमी. रेस वॉक में बोकारो के रोशन ने, लॉग जंप में पूर्वी सिंहभूम के हिमांशु ने और ट्राइथलान में गुमला के अनीत उरांव ने रजत पदक जीता।
- इनके अलावा अनीत उरांव ने अंडर-14 के 60 मीटर में, हज़ारीबाग की प्रीति लकड़ा ने ट्रिपल जंप में व गुमला के अनुज बाखला ने 600 मीटर में कांस्य पदक जीता।
- विदित हो कि आशा किरण बारला ने वर्ष 2022 में असम के गुवाहाटी में आयोजित 37वीं राष्ट्रीय जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भी गोल्ड मेडल जीता था। आशा किरण बारला ने अप्रैल 2023 में तमिलनाडु के तिरुअन्नामलाई शहर में आयोजित 21वीं नेशनल फेडरेशन कप जूनियर अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक और अक्तूबर 2022 में कुवैत में आयोजित एशियन यूथ अंडर-18 एथलेटिक्स चैंपियनशिप के 800 मीटर में 2.06.79 मिनट का नया रिकॉर्ड बनाते हुए स्वर्ण पदक जीता था।

नोट :

'खेलो झारखंड 2023-24' संपन्न

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में झारखंड के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के तत्वावधान में राँची के खेलगाँव स्थित वीर बुधु भगत स्टेडियम में तैराकी प्रतियोगिता के समापन के साथ ही राज्य स्तरीय खेलो झारखंड 2023-24 प्रतियोगिता संपन्न हुआ।

प्रमुख बिंदु

- राज्य स्तर की इस खेलो झारखंड 2023-24 प्रतियोगिता में राज्य के सभी ज़िलों से लगभग 15,000 बच्चों ने राज्य स्तर पर 29 विभिन्न खेलों में बालक एवं बालिका वर्ग के अंडर 14, 17 एवं 19 आयुवर्ग में भाग लिया।
- खेलो झारखंड 2023-24 के अंतर्गत खेलों और खिलाड़ियों का चयन स्कूल स्तर पर हुआ। स्कूल स्तर पर जहां 35,000 स्कूलों ने भाग लिया, वहीं राज्य के सभी प्रमंडलों में 40 लाख से अधिक बच्चों ने विभिन्न खेलों में भाग लेने के बाद ज़िला एवं राज्य स्तर पर अपनी भागीदारी सुनिश्चित की।
- खेलो झारखंड 2023-24 के अंतर्गत खेले गए विभिन्न खेलों में से कबड्डी, खो-खो और एथेलेटिक्स जैसे खेलों में दो हज़ार से अधिक बच्चों ने राज्य स्तर पर भाग लिया।
- सभी वर्गों में चयनित बच्चों के लिये अब 21 दिनों का विशेष प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जा रहा है।

42वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में झारखंड पवेलियन का उद्घाटन

चर्चा में क्यों ?

- 14 नवंबर, 2023 को नई दिल्ली के प्रगति मैदान में प्रारंभ हुए 14 दिवसीय 42वें भारतीय अतंर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में झारखंड के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवम पिछड़ा वर्ग कल्याण सहपरिवहन मंत्री चंपई सोरेन ने भगवान बिरसा मुंडा की पूजा-अर्चना कर झारखंड पवेलियन (मंडप) का उद्घाटन किया।

प्रमुख बिंदु

- विदित हो कि जी-20 समिट के बाद दिल्ली के प्रगति मैदान में यह दूसरा बड़ा आयोजन है। इस वर्ष मेले की थीम 'वसुधैव कुटुंबकम' है।
- इस मेले में झारखंड प्रदेश फोकस स्टेट के रूप में भाग ले रहा है। मेले में उद्योग निदेशालय (झारखंड) द्वारा बनाए गए मंडप में क्षेत्रीय उत्पादों के 20 स्टॉल लगाए गए हैं। इसमें लोग झारखंड में बनी वस्तुओं की प्रदर्शनी और क्रय कर सकेंगे।
- इसके अलावा झारखंड सरकार के लगभग 14 विभागों के स्टॉल भी लगाए गए हैं, जिसमें लोग विभाग के बारे में और योजनाओं की जानकारी ले सकेंगे।

झारखंड स्थापना दिवस पर 7042 करोड़ रुपए की योजनाओं की सौगात

चर्चा में क्यों ?

- 15 नवंबर, 2023 को झारखंड के 23वें स्थापना दिवस पर रांची के मोरहाबादी में आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने 7042 करोड़ रुपए की योजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास, नई नीतियों का लोकार्पण, लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण, युवाओं को ऑफर लेटर व खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया।

प्रमुख बिंदु

- राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री ने राज्यवासियों को 7042 करोड़ रुपए की 906 योजनाओं की सौगात दी। 18034 युवाओं को ऑफर लेटर दिया, 260 करोड़ रुपए की परिसंपत्ति बाँटकर लाभुकों को सशक्त और स्वावलंबी बनाने की राह दिखाई और खिलाड़ियों को पुरस्कृत कर उनकी उपलब्धियों को सम्मान दिया।
- मुख्यमंत्री ने झारखंड राज्य खेल प्रोत्साहन नीति के तहत 37वें राष्ट्रीय खेल में झारखंड के लिये पदक जीतने वाले खिलाड़ियों, झारखंड एशियाई वीमेंस चैंपियनशिप ट्रॉफी में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय महिला टीम में शामिल झारखंड की खिलाड़ियों और अंतर्राष्ट्रीय तथा राष्ट्रीय स्तर पर रिकॉर्ड बनाने वाले झारखंड के 70 खिलाड़ियों को नकद पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया।
- मुख्यमंत्री ने 'आपकी योजना-आपकी सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम 'अबुआ आवास योजना' व 'मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना' सहित कई योजनाओं व नीतियों का शुभारंभ किया।
- मुख्यमंत्री ने 'अबुआ आवास योजना' का शुभारंभ किया। इस योजना के तहत राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में आवासविहीन परिवारों और कच्चे तथा जर्जर आवास में रहने वाले परिवारों को आवास उपलब्ध कराया जाएगा।
  - इस योजना के तहत अगले 3 वर्षों में 8 लाख लोगों को आवास उपलब्ध कराया जाएगा। इसमें वर्ष 2023-24 में 2 लाख, 2024-25 में 3 लाख 50 हज़ार और 2025-26 में 2 लाख 50 हज़ार आवास बनाए जाएंगे। इसके लिये 16,320 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।
- मुख्यमंत्री ने लोगों को 'मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना' की सौगात दी। इस योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्र, सुदूरवर्ती जनजातीय इलाकों और तलहटी में रहने वाले लोगों को पंचायत, प्रखंड, अनुमंडल और ज़िला मुख्यालय आवागमन के लिये सुलभ परिवहन सेवा उपलब्ध कराई जाएगी।
  - इस योजना के तहत वरिष्ठ नागरिक, विद्यार्थी, दिव्यांग, एचआईवी संक्रमित, राज्य सरकार द्वारा विधवा पेंशन से आच्छादित महिला और राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त झारखंड आंदोलनकारी को नि:शुल्क बस परिवहन सेवा मिलेगी।

नोट :

- मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य में उद्यम, उद्यमियों और निवेश को बढ़ावा देने के लिये चार नई पॉलिसी लॉन्च की। इनमें एमएसएमई प्रोत्साहन नीति-2023, झारखंड स्टार्टअप पॉलिसी-2023, झारखंड आईटी, डाटा सेंटर और बीपीओ इनवेस्टमेंट प्रमोशन नीति-2023 और झारखंड निर्यात नीति-2023 शामिल है।

नोट :

प्रधानमंत्री ने झारखंड में लगभग 7,200 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया

चर्चा में क्यों?

- 15 नवंबर, 2023 को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती और झारखंड के 23वें स्थापना दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने झारखंड में रेल, सड़क, शिक्षा, कोयला, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस जैसे कई क्षेत्रों में 7200 करोड़ रुपए राशि की कई विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया।

प्रमुख बिंदु

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने झारखंड के खूँटी से प्रमुख सरकारी योजनाओं की परिपूर्णता सुनिश्चित करने के लिये 'विकसित भारत यात्रा' का शुभारंभ किया।
- प्रधानमंत्री मोदी ने 7200 करोड़ रुपए राशि की जिन परियोजनाओं का उद्घाटन किया, उनमें भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रांची का नया परिसर, आईआईटी-आईएसएम धनबाद का एक नया छात्रावास, बोकारो में पेट्रोलियम, तेल और लुब्रिकेंट (पीओएल) डिपो तथा हटिया-पकरा, तलगरिया-बोकारो और जारंगडीह-पतरातू खंडों में रेल पटरियों का दोहरीकरण शामिल है।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने झारखंड के खूंटी से देश भर के 8 करोड़ से अधिक लाभार्थी किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना के अंतर्गत 18,000 करोड़ रुपए से अधिक की राशि की 15वीं किस्त भी जारी की। प्रधानमंत्री ने एक बटन दबाकर डिजिटल रूप से राशि हस्तांतरित की।
  - प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) दुनिया की सबसे बड़ी प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) योजनाओं में से एक है, जिसका उद्देश्य किसानों को उनकी कृषि और अन्य आकस्मिक जरूरतों को पूरा करने में सहायता करना है।
  - योजना के तहत लाभार्थी किसानों को प्रति वर्ष 6,000 रुपए की वित्तीय सहायता तीन समान किस्तों में डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की जाती है।
- प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर 24,000 करोड़ रुपए के बजट वाली एक पहल, 'पीएम जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान' का शुभारंभ किया। इस अभियान का उद्देश्य आदिवासी समूहों का समग्र विकास सुनिश्चित करना है।

नोट :

लो विजिबिलिटी में कॉमर्शियल विमान को लैंड करने वाला देवघर एयरपोर्ट बना देश का पहला एयरपोर्ट

चर्चा में क्यों?

- 16 नवंबर, 2023 को डीजीसीए ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि देवघर एयरपोर्ट महज 3200 मीटर की विजिबिलिटी में भी कॉमर्शियल विमान को लैंड करने वाला देश का पहला एयरपोर्ट बन गया है। देवघर एयरपोर्ट से स्पेशल वीएफआर परिचालन पहली बार कॉमर्शियल उड़ानों के लिये शुरू किया जा रहा है।

प्रमुख बिंदु

- डीजीसीए के अनुसार एयरलाइंस सेवा में स्पेशल वीएफआर परिचालन एक आदर्श बदलाव का प्रतीक है, जो लो विजिबिलिटी के कारण उड़ानों में देरी व रद्दीकरण की समस्या को खत्म करेगा। साथ ही ऐसे अन्य छोटे हवाई क्षेत्रों के लिये कनेक्टिविटी बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त करेगा, जिससे उड़ान प्रोजक्ट को भी बढ़ावा मिलेगा।
- देवघर एयरपोर्ट पर अब 3200 मीटर की विजिबिलिटी में 180 यात्रियों की क्षमता वाला ए-320 विमान आसानी से लैंड कर सकेगा। वहीं 3600 मीटर की विजिबिलिटी टेक ऑफ भी होगा। साथ ही 78 यात्री की क्षमता वाले विमान एटीआर-72 विमान 2800 मीटर की विजिबिलिटी में लैंड कर सकेगा व 3200 मीटर की विजिबिलिटी में टेकऑफ होगा।
- विदित हो कि पहले पाँच हज़ार की विजिबिलिटी में विमान देवघर एयरपोर्ट पर लैंड नहीं कर पा रहा था, इस कारण कई उड़ानें रद्द हो चुकी थीं। अब स्पेशल वीएफआर परिचालन पहली बार कॉमर्शियल उड़ानों के लिये शुरू किया जा रहा है।
- वीएफआर के संचालन के लिये देवघर में कंट्रोल जोन व एप्रोच कंट्रोल यूनिट की स्थापना की गई। इस दौरान पायलट व एटीसी के अधिकारियों को स्पेशल ट्रेनिंग दी गई। प्रशिक्षण के बाद एयरलाइन ऑपरेटरों, पायलट, एटीसी व वायु सेना के बीच प्रक्रिया व समन्वय बनाने के लिये बगैर यात्री के देवघर एयरपोर्ट में कम विजिबिलिटी में विमान का ट्रायल किया गया। यह ट्रायल पूरी तरह से संतोषजनक पाये जाने के बाद डीजीसीए ने देवघर एयरपोर्ट पर लैंडिंग व टेकऑफ स्पेशल वीएफआर की मंज़ूरी दी है।

नोट :

अब झारखंड में 1950 के ज़िला व थाना क्षेत्र के आधार पर सीएनटी ज़मीन की हो सकेगी खरीद-बिक्री

चर्चा में क्यों ?

- 16 नवंबर, 2023 को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में जनजाति परामर्शदातृ परिषद् (ट्राइबल एडवाइजरी काउंसिल, टीएसी) की बैठक में सीएनटी एक्ट के अंतर्गत 26 जनवरी, 1950 के समय राज्य के भीतर, जो ज़िले और थाने थे, उन्हीं को ज़िला और थाना मानते हुए धारा-46 के तहत ज़मीन की खरीद-बिक्री के लिये मान्यता प्रदान कर सहमति दी गई।

प्रमुख बिंदु

- विदित हो कि 1950 में अविभाजित बिहार के झारखंड प्रक्षेत्र में मात्र 7 ज़िले थे। संतालपरगना, हजारीबाग, रांची, पलामू, मानभूम, धनबाद और सिंहभूम। टीएसी के प्रस्ताव पर सरकार आगे बढ़ती है, तो इन ज़िलों के विभाजन के बाद ज़िलों के लोग भी सीएनटी एक्ट के प्रावधान के अनुरूप अलग-अलग ज़िलों में ज़मीन खरीद सकेंगे।

- इन ज़िलों को बाँट कर ही वर्तमान में 24 ज़िले बने हैं। ऐसे में सीएनटी के अंतर्गत आने वाले एससी और ओबीसी वर्ग के बीच ज़मीन खरीद-बिक्री का दायरा बढ़ेगा।
- सीएनटी एक्ट के मामले में अब आगे क्या हो सकता है-
  - टीएसी विधि विशेषज्ञों से राय लेकर एक सर्वसम्मत प्रस्ताव तैयार कर सकती है और इसे राज्य सरकार के पास भेज सकती है।
  - टीएसी इस मामले को गवर्नर को नहीं भेजेगी, क्योंकि गवर्नर को टीएसी से अलग किया गया है।
  - पाँचवीं अनुसूची में टीएसी के कस्टोडियन गवर्नर होते हैं, लेकिन राज्य सरकार ने नयी नियमावली तैयार कर ली है।
  - सीएनटी एक्ट में सरकार कोई संशोधन करती है, तो उसे विधानसभा से पारित कराना होगा। विधानसभा से पारित होने के बाद ही इसको मूर्तरूप दिया जा सकता है।

झारखंड के कोडरमा ज़िले में मिला लिथियम का भंडार

चर्चा में क्यों?

- 18 नवंबर, 2023 को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआइ) के महानिदेशक जनार्दन प्रसाद ने प्रेस वार्ता में बताया कि कोडरमा ज़िले में भविष्य का खजाना कहे जाने वाले खनिज 'लिथियम' का भंडार मिला है। जीएसआइ की प्रारंभिक जाँच में इसकी पुष्टि हो गयी है।

प्रमुख बिंदु

- जीएसआइ के महानिदेशक जनार्दन प्रसाद ने प्रेस वार्ता में बताया कि कोडरमा में माइका के साथ-साथ लिथियम का भी भंडार है। अब जी-3 लेवल की खुदाई कर विस्तृत रूप से यह पता चल सकेगा कि यहाँ लिथियम की मात्रा कितनी है।
- उन्होंने कहा कि 2050 तक देश में बैटरी पर निर्भरता बढ़ने वाली है। इसके लिये लिथियम सबसे जरूरी तत्व है। इसलिये लिथियम की खोज पर फोकस किया जा रहा है। जम्मू में लिथियम के भंडार का पता चल चुका है। राजस्थान के भीलवाड़ा और आंध्र प्रदेश के नेल्लोर में भी लिथियम भंडार की संभावना है।
- महानिदेशक ने बताया कि लिथियम की खुदाई (एक्सट्रेक्शन) की तकनीक चीन के पास है। इस पर उसकी मोनोपोली है। लिहाजा, जीएसआइ धनबाद के सिंफर, आइआइटी आइएसएम व अन्य आइआइटी समेत कई अन्य संस्थानों के साथ एमओयू किया जायेगा, खुदाई करनेवाले संस्थानों को भारत सरकार फंडिंग भी करेगी।

- महानिदेशक ने बताया कि तमाड़ में दो जगहों पर सोने की खदान का पता चला है। पूर्व में भी झारखंड में सोने की दो खदानों का पता चल चुका है। खनिज मिलने से सबसे ज्यादा फायदा राज्य सरकार को राजस्व के रूप में होगा। संबंधित इलाकों में रोज़गार का सृजन होगा।

झारखंड की नदियों के कछार में की जाएगी हीरे की खोज, केंद्र की मिली मंज़ूरी

चर्चा में क्यों?

- 18 नवंबर, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार झारखंड के राँची और पलामू प्रमंडलीय ज़िलों की कई नदियों के कछार में हीरा खोजा जायेगा। केंद्र सरकार के खान मंत्रालय ने इस परियोजना को स्वीकृति दे दी है।

प्रमुख बिंदु

- विदित हो कि भारतीय भूगर्भ सर्वेक्षण विभाग ने 2019 में यह परियोजना तैयार की है। इसके लिये मुगल शासन के 'जहाँगीरनामा' से लेकर 1917 तक दर्जनों विश्व प्रसिद्ध लेखकों की पुस्तकों में झारखंड के 'डायमंड रिवर' का नक्शा और अन्य जानकारियों को आधार बनाया गया है।
- फ्रांसिसी यात्री जेबी ट्रेवर्नियर के भारत यात्रा वृतांत पुस्तक में जारी नक्शा छोटानागपुर में डायमंड रिवर के पास भी खोजबीन होगी। इसके लिये राँची, गुमला, सिमडेगा, लोहरदगा, लातेहार समेत कई ज़िलों के नदी विशेषकर कोयल, शंख नदी का सर्वेक्षण किया जाएगा।
- नदी के किनारे जहाँ ज़मीन से कीड़ा, मुसा, दीमक पाये जाते हैं, उन स्थानों को इसमें शामिल किया गया है। साथ ही प्रदेश में जहाँ-जहाँ अन्य खनिज बड़े पैमाने में निकाले जा रहे हैं, वहाँ भी सर्वेक्षण किया जाएगा।
- जहाँगीरनामा के अनुवादक मुंशी देवी प्रसाद व दूसरे अनुवादक ब्रजरत्नदास ने बताया कि राँची की शंख नदी के किनारे छोटे-बड़े दोनों तरह के हीरे पाये जाते हैं। 'तुजुक-ए-जहाँगीरी' के अनुवादक डॉ. मथुरालाल शर्मा ने भी इसकी पुष्टि की है।
- एच कुपलेन ने बंगाल डिस्ट्रिक्ट गजेटियर मानभूम में नागवंशियों के क्षेत्राधिकार में हीरा होने की बात लिखी है। जबकि, बिहार डिस्ट्रिक्ट गजेटियर राँची में एमजी हैलिट ने राँची की शंख नदी के कछार में हीरा होने का उल्लेख किया है।
- इसी तरह प्रो. जोन डाउसन ने पुस्तक 'द हिस्ट्री ऑफ इंडिया एज टोल्ड बॉय इट्स ऑन हिस्टोरियन' में झारखंड की शंख नदी के किनारे छोटे-बड़े दोनों प्रकार के हीरे पाये जाने का जिक्र किया है।
- इसके अलावा कर्नल डाल्टन की पुस्तक 'इथनोलॉजी ऑफ बंगाल', जेबी ट्रेविनियर की पुस्तक 'ट्राइबल्स इन इंडिया', सीएफ जॉर्ज की पुस्तक 'वाट ए डिक्शनरी ऑफ द इकोनॉमिक प्रोडक्ट ऑफ इंडिया', वी बाल की पुस्तक 'द डायमंडस, कोल एंड गोल्ड ऑफ इंडिया' आदि में भी इस तरह के जिक्र हैं।

बरहेट में आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम हुआ शुरू

चर्चा में क्यों ?

- 24 नवंबर, 2023 को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने साहेबगंज के बरहेट स्थित गोपलाडीह से पंचायत स्तरीय आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम शुरू किये। यह कार्यक्रम पूरे राज्य के पंचायतों में 26 दिसंबर, 2023 तक आयोजित होगा।

प्रमुख बिंदु

- इस कार्यक्रम के अंतर्गत प्रदेश के 4,351 पंचायत और 50 वार्ड में शिविर लगाए जाएंगे। इन शिविरों में योजनाओं से अब तक वंचित जरूरतमंदों को लोक कल्याणकारी योजनाओं से आच्छादित किया जाएगा।
- इस कार्यक्रम का तीसरी बार हो रहा आयोजन हो रहा है। राज्य सरकार के 2 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर पहली बार आपके अधिकार- आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम आयोजन किया गया था।
- पंचायत और वार्ड स्तर पर आयोजित शिविरों में नई योजनाओं, जैसे- अबुआ आवास योजना, बिरसा सिंचाई कूप योजना, सामुदायिक और व्यक्तिगत वनपट्टा से संबंधित मामले, गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना का लाभ दिया जाएगा।
- इसके अतिरिक्त जाति, आय, जन्म, मृत्यु, दिव्यांगता प्रमाण-पत्र में जरूरी संशोधन, भूमि से जुड़े मामले, आयुष्मान कार्ड, आम जनों के सामाजिक-आर्थिक बुनियादी जरूरतों से जुड़े मामले, सर्वजन पेंशन योजना, सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, किसान क्रेडिट कार्ड योजना, श्रम विभाग अंतर्गत श्रमाधान पोर्टल पर प्रवासी श्रमिकों का पंजीकरण, राजस्व अभिलेखों में संशोधन/परिमार्जन, आधार एवं राशन कार्ड में संशोधन, बिजली बिल से संबधित शिकायत का निवारण सहित अन्य कार्य का निष्पादन किया जाएगा।
- इस कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र-छात्राओं को साइकिल के लिये नकद हस्तांतरण अथवा चेक का वितरण किया जाएगा। साथ ही बिरसा सिंचाई कूप संवर्धन योजना, मुख्यमंत्री रोज़गार सृजन योजना, मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना, अबुआ बीर दिशोम अभियान अंतर्गत पुराने अथवा नव सृजित वन पट्टों का वितरण सहित अन्य योजनाओं लाभ प्रदान किया जाएगा।
- प्रत्येक शिविर में 'कल्याण मंच' स्थापित किया जाएगा, जिसके माध्यम से शिविर में ही लाभार्थियों को योजनाओं से संबंधित लाभ/ परिसंपत्तियों का वितरण किया जाएगा। स्वयं सहायता समूह/क्लस्टर सदस्यों के बीच आई कार्ड और धोती/साड़ी/ लूंगी एवं कंबल का वितरण होगा।
- गौरतलब है कि लोगों के अधिकारों के प्रति संवेदनशील मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश पर भगवान बिरसा मुंडा की जयंती और झारखंड राज्य स्थापना दिवस (15 नवंबर) के अवसर पर आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया था।

मुख्यमंत्री ने पाकुड़वासियों को 153 करोड़ रुपए की 118 योजनाओं का दिया तोहफा

चर्चा में क्यों ?

- 25 नवंबर, 2023 को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने तीसरे चरण के 'आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम में पाकुड़वासियों को 153 करोड़ 81 लाख रुपए की 118 योजनाओं का तोहफा दिया है।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री ने 66 करोड़ 76 लाख 20 हज़ार रुपए की लागत से निर्मित 21 योजनाओं का उद्घाटन किया और इसके साथ ही 97 योजनाओं की आधारशिला रखी। इन योजनाओं पर 87 करोड़ 4 लाख 80 हज़ार रुपए खर्च होंगे। इस तरह 153 करोड़ 81 लाख रुपए की 118 योजनाओं का तोहफा पाकुड़वासियों को मिला।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को 126 करोड़ 94 लाख 50 हज़ार रुपए की परिसंपत्तियाँ प्रदान कर उनके सशक्तीकरण और स्वावलंबी बनने का राह प्रशस्त किये हैं।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि 'आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के माध्यम से सरकार की आवाज और नज़रें गाँव-गाँव तक पहुँची हैं और लाखों लोगों को उनका हक-अधिकार मिला।
- उन्होंने कहा कि राज्य सरकार 8 लाख परिवारों को आवास प्रदान करेगी, साथ ही 20 लाख अतिरिक्त हरा राशन कार्डधारियों को अनाज वितरित करेगी।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि जब तक विधवाओं की उम्र 40 वर्ष और दिव्यांगों की उम्र 18 वर्ष से अधिक नहीं हो जाती थी, उन्हें पेंशन योजना से नहीं जोड़ा जाता था, लेकिन सरकार ने यूनिवर्सल पेंशन स्कीम लागू कर इन सारी बाध्यताओं को खत्म कर दिया है। आज सभी योग्य पात्रों को यूनिवर्सल पेंशन स्कीम का लाभ लाभ मिल रहा है।

नोट :

हर घर नल जल योजना में पाकुड़ और गोड्डा फिसड्डी

चर्चा में क्यों ?

- 29 नवंबर, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार 'जल जीवन मिशन' के तहत चल रही 'हर घर नल जल योजना' में झारखंड के पाकुड़ और गोड्डा ज़िले देश के सबसे पिछड़े ज़िलों में शामिल हैं।

प्रमुख बिंदु

- झारखंड के पाकुड़ ज़िले में केवल 11.33 प्रतिशत घरों तक ही नल से जल पहुँच पाया है। यहाँ कुल घरों की संख्या 2,26,943 है, जबकि अब तक यहाँ केवल 25,711 घरों तक ही नल से जल पहुँचाया जा सका है।
- झारखंड के गोड्डा ज़िले में केवल 18.23 प्रतिशत घरों तक ही नल से जल पहुँच पाया है। यहाँ कुल घरों की संख्या 3,02,773 है, जबकि अब तक यहाँ केवल 55,200 घरों तक ही नल से जल पहुँचाया जा सका है।
- इस योजना के अंतर्गत झारखंड के सिमडेगा ज़िला की प्रगति राष्ट्रीय औसत के करीब पहुँच गई है। यहाँ 70.88 प्रतिशत घरों में नल से जल पहुँच गया है। यहाँ कुल घरों की संख्या 1,30,075 है, जिसमें से 92,196 घरों तक शुद्ध पेयजल पहुँच गया है।
- अब तक मिले आँकड़ों के अनुसार, देश में हर घर जल योजना की प्रगति 71.07 प्रतिशत है, जबकि राष्ट्रीय औसत के मुकाबले झारखंड 25 प्रतिशत पीछे है। यहाँ अब तक लगभग 46 प्रतिशत घरों तक ही शुद्ध पेयजल पहुँचाया जा सका है।
- अब भी राज्य की 54 प्रतिशत आबादी पानी के लिये चापाकल, कुआँ, नदी-नालों एवं अन्य प्राकृतिक स्रोतों पर निर्भर है।
- राज्य सरकार 61.76 लाख घरों में से 28.33 लाख घरों तक पाइपलाइन से पानी पहुँचा पाई है।
- हालाँकि मौजूदा वित्तीय वर्ष में झारखंड में काफी तेजी से कार्य हुआ है। पिछले आठ महीनों के दौरान लगभग 7.91 लाख घरों में शुद्ध पेयजल पहुँचाया गया है।
- गौरतलब है कि वर्ष 2019 में केंद्र सरकार द्वारा 'जल जीवन मिशन योजना' की शुरुआत की गई थी।

नोट :